न्यूज़ लेटर एवं अपील
2023

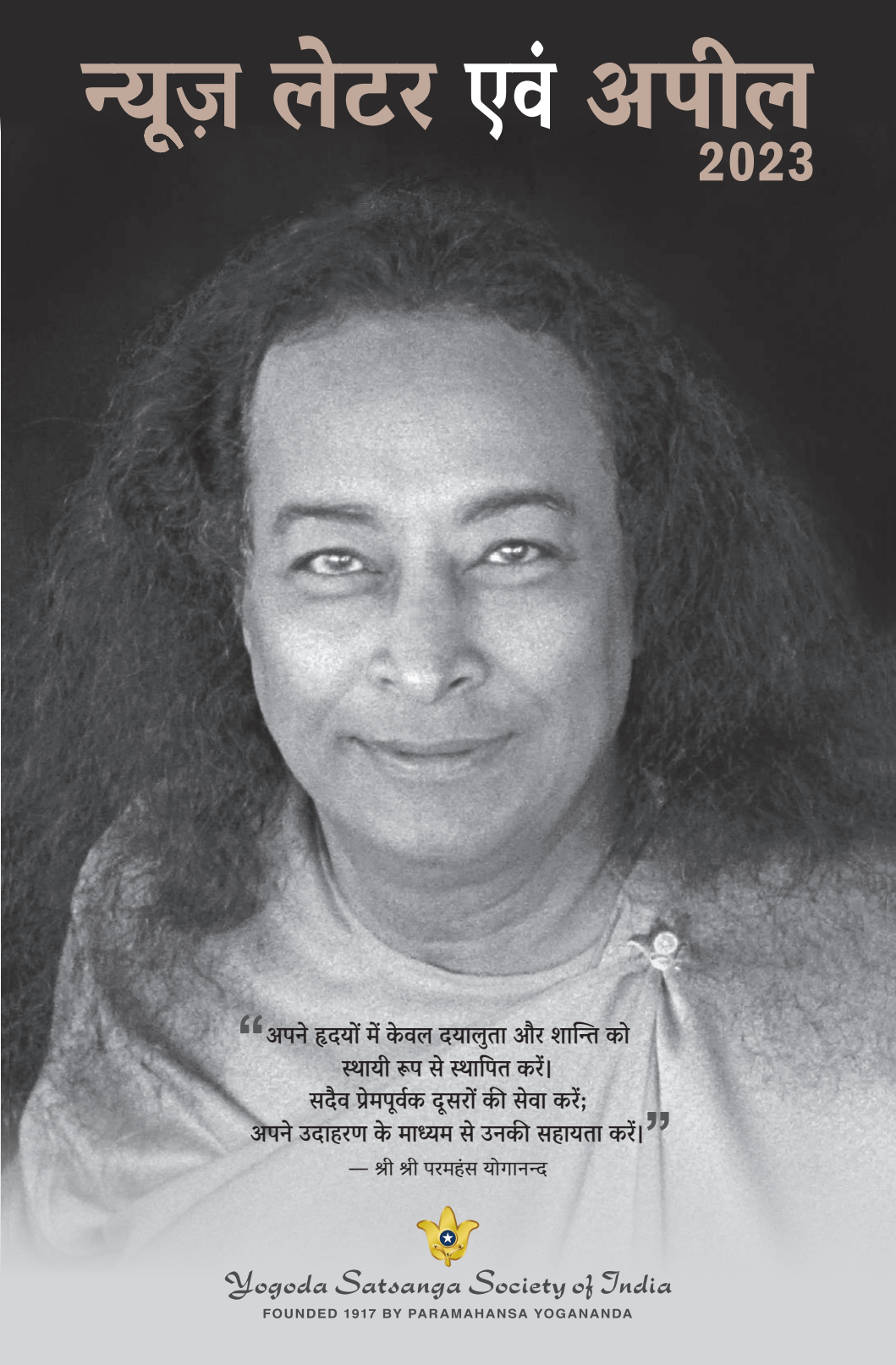

"अपने हृदयों में केवल दयालुता और शान्ति को
स्थायी रूप से स्थापित करें।
सदैव प्रेमपूर्वक दूसरों की सेवा करें;
अपने उदाहरण के माध्यम से उनकी सहायता करें।"

— श्री श्री परमहंस योगानन्द

Yogoda Satsanga Society of India

FOUNDED 1917 BY PARAMAHANSA YOGANANDA

नोएडा

द्वाराहाट

दिहिका

दक्षिणेश्वर

वाईएसएस न्यूज़ लेटर एवं अपील जनवरी 2023 में आपका स्वागत है

प्रिय दिव्य आत्मन्,

नव वर्ष की शुभकामनाएँ। हम आशा और प्रार्थना करते हैं कि आपके सभी उत्कृष्ट स्वप्नों और आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु, यह नववर्ष आपको एक नवीन उत्साह और दृढ़ संकल्प प्रदान करेगा।

गत वर्ष मार्च में जब हमने धीरे-धीरे आश्रमों और केन्द्रों की गतिविधियों को पुनः प्रारम्भ किया और वैयक्तिक कार्यक्रम प्रारम्भ किये तो आप लोगों में से जो लोग दो साल के लम्बे अंतराल के पश्चात् एक बार पुनः आश्रमों में आने में सक्षम हुए उन सबसे मिलकर और आपके मुस्कुराते हुए चेहरों को देखकर हमें अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हुआ। महामारी के चुनौतीपूर्ण समय में आपके साहस और विश्वास की कहानियाँ सुनकर हमें यह अनुभव हुआ कि हमारे आध्यात्मिक सम्बन्धों की दृढ़ता में कोई भी कमी नहीं आई अपितु वे और भी अधिक सुदृढ़ हो गए हैं क्योंकि हमने संयुक्त रूप से ईश्वर एवं गुरुओं के प्रति प्रेम और उनमें विश्वास के साथ एक साथ मिलकर उस तनावपूर्ण समय का सामना किया।

आगे के पृष्ठों में हम आपके साथ साझा कर रहे हैं कि गत वर्ष में किस प्रकार गुरुदेव का पवित्र कार्य संपन्न होता रहा है — चाहे वह *योगदा सत्संग पाठमाला* का भारतीय भाषाओं में प्रकाशन हो, अथवा हमारे द्वारा बड़ी संख्या में आयोजित ऑनलाइन और वैयक्तिक कार्यक्रम हों, अथवा निर्धन और अभावग्रस्त लोगों की सहायता करना हो।

हमने अनेकों परियोजनाओं में उल्लेखनीय प्रगति की हैः राँची में हमारे जगन्नाथपुर शैक्षणिक परिसर का उन्नतीकरण, राँची में सेवाश्रम धर्मार्थ चिकित्सालय और केन्द्रीय रसोईघर एवं भोजनालय का बृहत् पुनर्नवीकरण। अभावग्रस्त लोगों और हमारे भक्तों को उच्च गुणवत्ता की सेवाएँ प्रदान करने की दिशा में इन पुनर्नवीकरण कार्यों की अत्यन्त आवश्यकता थी।

वाईएसएस दक्षिणेश्वर आश्रम की एक निकटवर्ती सम्पत्ति के अधिग्रहण का समाचार आपके साथ साझा कर हमें अत्यन्त आनन्द का अनुभव हो रहा है।

जीवन को रूपान्तरित करने वाली, हमारे परमप्रिय गुरुदेव की शिक्षाओं को उत्सुक आत्माओं तक पहुँचाने के कार्य में आपके प्रेम, सहयोग, और प्रार्थनाओं के लिए हम अपना हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। अपने दैनिक ध्यान एवं प्रार्थनाओं में तथा ईश्वर एवं गुरुदेव के प्रति संयुक्त प्रेम में हम आपको स्मरण करते हैं। आप अपने जीवन में महान् गुरुओं के प्रेम एवं आशीर्वादों को अधिक प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करें।

दिव्य मैत्री में,

योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया

दक्षिणेश्वर में एक नई सम्पत्ति का अधिग्रहण

योगदा सत्संग मठ, दक्षिणेश्वर की निकटवर्ती सम्पत्ति

संस्था के निरन्तर होते विकास के कारण हमारे दक्षिणेश्वर आश्रम में भवनों के विस्तार की आवश्यकता अनुभव की जा रही थी। आश्रम के इस विस्तार के लिए हम निकटवर्ती सम्पत्तियों की खोज में थे। ईश्वर की कृपा से हमारे लिए आश्रम के निकट ही लगभग 7,000 वर्ग फुट की एक सम्पत्ति उपलब्ध थी। आपके अनुदानों से हमने ₹80 लाख की लागत से इस सम्पत्ति का अधिग्रहण कर लिया है।

आश्रम अतिथि गृह की निकटवर्ती सम्पत्ति के एक भाग को दर्शाता हुआ एक चित्र

भवनों का उन्नतीकरण

जगन्नाथपुर, राँची में योगदा सत्संग शैक्षणिक संस्थान

सभा भवन और बहुउद्देशीय कक्ष भवन का एक दृश्य

चार वर्ष पूर्व, भारत सरकार ने हमारे गुरुदेव, श्री श्री परमहंस योगानन्द के आध्यात्मिक महत्त्व और सम्पूर्ण विश्व में योग विज्ञान के प्रसार के क्षेत्र में उनके कालातीत योगदानों को स्वीकार करते हुए उनकी 125वीं जयन्ती मनाई थी। इस परियोजना के अन्तर्गत स्वीकृत अनेक उपक्रमों में से एक उपक्रम था योगदा सत्संग विद्यालय के लिए एक नए भवन परिसर तथा एक बड़े सभागार एवं बहुउद्देशीय कक्ष का निर्माण करना, जिसका उपयोग योगदा

सत्संग शैक्षणिक संस्थान परिसर (वाईएसईआई), जगन्नाथपुर, राँची में स्थित महाविद्यालय और विद्यालय दोनों के लिए किया जा सके। इस परियोजना के लिए ₹8 करोड़ की धनराशि आवंटित की गयी थी।

विद्यालय एवं महाविद्यालय का उद्देश्य है राँची के बाहरी क्षेत्रों की आबादी के निर्धन एवं जरूरतमंद वर्गों की आवश्यकता को पूरा करना। अनेक आदिवासी बच्चे भी इन धर्मार्थ शैक्षणिक संस्थाओं में अध्ययन करते हैं। विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम के साथ-साथ योग, खेल, नाटक, तथा अन्य पाठ्येतर क्रियाकलापों का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। इन संस्थाओं के अनेक विद्यार्थी पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी हैं।

चूँकि वर्तमान विद्यालय भवन, जिसका निर्माण लगभग 40 वर्ष पूर्व किया गया था, अर्ध-स्थायी था और उसका जीवन पूर्ण हो चुका था, सरकार द्वारा प्रदान की गयी आर्थिक सहायता और उदार भक्तों के अनुदानों से निर्माण कार्य पुनः प्रारम्भ किया गया था।

अब तक पूर्ण किया गया निर्माण कार्य :

- 10,000 वर्ग फुट का एक अत्याधुनिक बहुउद्देशीय कक्ष जिसमें प्रथम तल पर 900 लोगों के बैठने की व्यवस्था है, और भूतल पर 2,000 वर्ग फुट के पाँच कक्ष हैं जिनका उपयोग कक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है। इस भवन के निर्माण में ₹3.2 करोड़ खर्च हुए हैं।
- नए विद्यालय संकुल के निर्माण में ₹5.5 करोड़ की धनराशि खर्च हुई है, जिसमें निम्नलिखित सुविधाएँ सम्मिलित हैं :
  - प्रशासनिक भवन का निर्माण
  - कंप्यूटर एवं विज्ञान प्रयोगशाला भवनों का निर्माण
  - समकालीन सुविधाओं के साथ एक नए पुस्तकालय भवन का निर्माण
  - राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) भवनों का निर्माण
  - शौचालयों का निर्माण

कक्षाओं का एक समूह

- छहः-छहः कक्षाओं के चार समूहों (कुल 24 कक्षाओं) का निर्माण ₹4.4 करोड़ की लागत से किया गया है। इन कक्षाओं का निर्माण एक विशिष्ट योजना के अनुसार किया गया है ताकि छात्रों के लिए भरपूर सूर्य प्रकाश और वायु संचार उपलब्ध हो सके तथा वे प्रकृति से निकटता का अनुभव करें। कक्षाओं के इन समूहों का निर्माण गत वर्ष विद्यालयों के लिए प्राप्त हुए उदार अनुदानों से सम्भव हुआ है।
- कक्षाओं और बहुउद्देशीय कक्ष के लिए आन्तरिक सज्जा तथा अन्य सहायक सेवाएँ जैसे कि फ़र्नीचर, मध्यान्तर आहार भवन, विद्यालय के बच्चों के लिए साइकिल शेड, बहुउद्देशीय कक्ष के लिए मंच और ध्वनि तन्त्र, विद्युतीय पैनेलिंग, लैन (LAN), आन्तरिक मार्ग, जलनिकास तन्त्र, सड़कों पर प्रकाश की व्यवस्था, और भूदृश्य निर्माण।

कोविड महामारी के कारण निर्माण कार्य की गति धीमी हो गयी थी जिसे पूरा कर लिया गया है। हमारे आदरणीय अध्यक्ष एवं आध्यात्मिक प्रमुख श्री श्री स्वामी चिदानन्द गिरि द्वारा इन नए भवनों का उद्घाटन 29 जनवरी, 2023 किया गया।

पूरी परियोजना की कुल लागत ₹22 करोड़ है। हमें भारत सरकार से ₹8 करोड़ की धनराशि आर्थिक सहायता के रूप में प्राप्त हुई है। अनेक भक्तों ने इस परियोजना के विभिन्न पक्षों में सहयोग देने के लिए अब तक ₹10 करोड़ का अनुदान दिया है। ₹4 करोड़ की शेष धनराशि की कमी की पूर्ति हेतु हम आपकी सहायता की अपेक्षा करते हैं। आपके उदार योगदानों के लिए हम हृदय से आपके आभारी रहेंगे।

राँची आश्रम में केन्द्रीय रसोईघर

आगन्तुक भक्तों और आश्रम में रहने वाले सेवकों की बढ़ती हुई संख्या के कारण वाईएसएस राँची आश्रम का भोजनालय छोटा पड़ रहा था। विशेष रूप से समरणोत्सवों और संगमों के दौरान भोजन के लिए प्रतीक्षा का समय बढ़ रहा था। हमने भोजनालय का क्षेत्र तीन गुने से अधिक बढ़ाने के लिए परियोजना का निर्माण किया।

अब तक, रसोईघर और भोजनालय एक पुराने भवन में स्थित थे, जिन्हें मरम्मत की आवश्यकता थी। इस भवन का नवीकरण नवम्बर, 2022 में पूरा कर लिया गया। भोजनालय के बड़े क्षेत्र के अतिरिक्त, खाना पकाने की सुविधा का भी उन्नतीकरण किया गया है जिसमें खाना पकाने और अधिक स्वास्थकर ढंग से भोजन परोसने के लिए आवश्यक आधुनिक उपकरण सम्मिलित हैं।

200 लोगों के बैठने की क्षमता वाले नए भोजनालय का एक दृश्य ***(नीचे)****।*
खाना पकाने के आधुनिक उपकरण से सुसज्जित रसोईघर ***(इनसेट)****।*

एक बड़ा रेफ्रिजरेटर लगाया गया है तथा अधिक क्षमता की भण्डारण सुविधा का भी निर्माण किया गया है।

रसोईघर और भोजनालय कक्ष का निर्माण कुल रु.1.5 करोड़ की लागत से पूरा किया गया है और इसका उद्घाटन 8 दिसम्बर, 2022 को किया गया।

जीवन को रूपान्तरित करने वाली गुरुदेव की शिक्षाओं को अधिक संख्या में साधकों तक पहुँचाना

आपके उदार योगदानों के कारण हमारे लिए *योगदा सत्संग पाठमाला* को अनेकों भारतीय भाषाओं में हजारों सत्यान्वेषियों तक पहुँचाना, और इस प्रकार असंख्य आत्माओं में व्यक्तिगत रूपान्तरण के बीज बोना, सम्भव होता है।

तमिल और तेलुगू भाषाओं में योगदा सत्संग पाठमाला का प्रकाशन

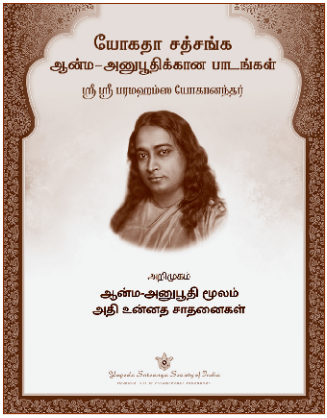

22 जुलाई, 2022 को स्वामी शुद्धानन्द गिरि ने चेन्नई में एक विशेष कार्यक्रम में *योगदा सत्संग पाठमाला* के नए संस्करण के तमिल भाषा में अनुवाद का विमोचन किया और परिचयात्मक पाठ की पहली प्रति प्रसिद्ध कलाकार, निर्माता, समाज सेवी और योगदा सत्संग के एक भक्त, पद्म भूषण श्री रजनीकान्त ने स्वीकार की। इस कार्यक्रम में लगभग 1,600 लोगों ने कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होकर भाग लिया और अनेक अन्य लोगों ने सीधे प्रसारण के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया।

3 दिसम्बर, 2022 को, गीता जयंती के शुभ अवसर पर, राजमुंदरी, आन्ध्र प्रदेश में वाईएसएस संन्यासियों ने *योगदा सत्संग पाठमाला* के तेलुगू अनुवाद का विमोचन किया। स्वामी स्मरणानन्द गिरि ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की और इसमें 600 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

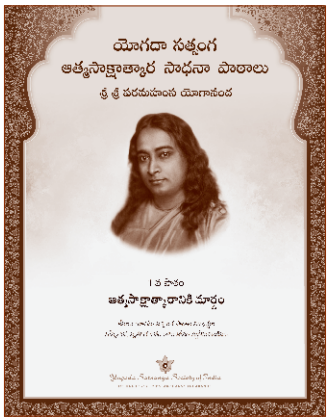

वाईएसएस/एसआरएफ़ अध्यक्ष और आध्यात्मिक प्रमुख श्री श्री स्वामी चिदानन्द गिरि ने इन कार्यक्रमों के लिए विशेष सन्देश और आर्शीवाद भेजे। इन ऐतिहासिक घटनाओं के सन्दर्भ में भक्तों को सम्बोधित अपने पत्र में स्वामीजी ने प्रकाशन से सम्बद्ध सभी व्यक्तियों को धन्यवाद दिया और कहा, "अत्यधिक प्रेमपूर्ण विचार एवं प्रयास से ही यह कार्य सम्भव हुआ है, और अपने हृदय की गहराइयों से मैं उन सबको धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने इस अनुवाद और वितरण के कार्य को पूरा करने के लिए अपनी निष्ठापूर्ण सेवाएँ प्रदान की हैं।"

अन्य भारतीय भाषाओं में पाठमाला का अनुवाद

अन्य भारतीय भाषाओं — हिन्दी और बांग्ला — में भी *पाठमाला* का अनुवाद किया जा रहा है। समर्पित संन्यासियों और भक्तों के दल इन अनुवादों को पूरा करने में अत्यन्त परिश्रमपूर्वक कार्य कर रहे हैं। हमने इन भाषाओं में *पाठमाला* के प्रकाशन और वितरण में सहयोग के लिए वेबसाइट, टाइपसेटिंग, और पाठों को प्रेषित करने के लिए कर्मचारी भी नियुक्त किये हैं। यह कार्य अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है और इसे सम्भव बनाने के लिए आपका सहयोग अत्यावश्यक है।

नए अनुवादों और ईबुक का प्रकाशन

इस वर्ष के दौरान हमने गुरुजी की इन पुस्तकों के नए अनुवादों को प्रकाशित किया है : गुजराती और मराठी में *मानव की निरन्तर खोज (Man's Eternal Quest)*, मलयालम में *धर्म विज्ञान (The Science of Religion)*, हिन्दी में *दिव्य प्रेमलीला (The Divine Romance)*, और तमिल में *आत्म-साक्षात्कार की यात्रा (Journey to Self-realization)*। हमने *The Second Coming of Christ* और हिन्दी भाषा में *ईश्वर-अर्जुन संवादः श्रीमद्भगवद्गीता (God Talks with Arjuna: The Bhagavad Gita)* को ईबुक प्रारूप में भी प्रकाशित किया है।

योगानन्दजी की अन्य अनेकों पुस्तकों का कई भाषाओं में अनुवाद का कार्य जारी है ताकि वे पाठकों को उनकी अपनी प्रान्तीय भाषाओं में उपलब्ध कराईं जा सकें।

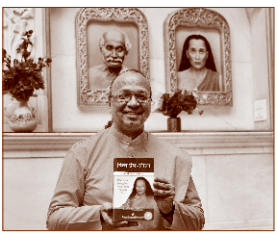

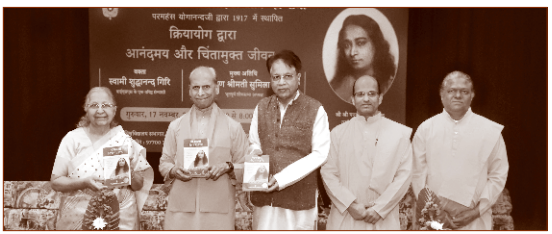

आध्यात्मिक आवश्यकताओं के लिए डिजिटल सपोर्ट

जैसे-जैसे विश्व सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के क्षेत्र में प्रगति कर रहा है, वाईएसएस भी अपने डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के उन्नतीकरण में उल्लेखनीय ढंग से अपने संसाधनों का निवेश कर रहा है। इस दिशा में किये गए कुछ कार्य इस प्रकार हैं :

- अत्यधिक संशोधित एसआरएफ़/वाईएसएस ऐप, जिसके माध्यम से *योगदा सत्संग पाठमाला* को विभिन्न भाषाओं में अत्यन्त सुविधाजनक ढंग से पढ़ा जा सकता है।
- वाईएसएस वेबसाइट का परिष्कार, जिसमें वेबसाइट के हिन्दी, तमिल, और तेलुगू में अनूदित संस्करणों का भी प्रावधान है।
- वाईएसएस डेवोटी पोर्टल, एसआरएफ़/वाईएसएस वॉलंटियर पोर्टल, एसआरएफ़ कॉन्वोकेशन, ऑनलाइन कार्यक्रम, और अन्य सुविधाओं के लिए सीमलेस एक्सेस को सपोर्ट करने के लिए आईटी इंटीग्रेशन।

अपडेटेड एसआरएफ़/वाईएसएस ऐप

अध्ययन, ध्यान, और प्रेरणा के लिए एक डिजिटल आध्यात्मिक मित्र

हाल ही में एसआरएफ़/वाईएसएस ऐप का एक अपडेटेड संस्करण रिलीज़ किया गया था। आपकी आध्यात्मिक यात्रा के लिए एक विस्तारित संसाधन का कार्य करने वाला यह ऐप उन सभी व्यक्तियों के लिए है जो ध्यान, क्रियायोग विज्ञान, और आध्यात्मिक रूप से संतुलित जीवन जीने के व्यावहारिक उपायों के बारे में अधिक जानकारी चाहते है। इस ऐप की कुछ विशेषताएँ इस प्रकार हैं :

- शान्ति, निर्भयतापूर्वक जीवन जीने, प्रकाश के रूप में ईश्वर, चेतना के विस्तार, और अन्य विषयों पर निर्देशित ध्यान — ध्यान के समय को 15 से 45 मिनट तक कस्टमाइज़ किया जा सकता है।
- सीधे प्रसारित ऑनलाइन ध्यान सत्रों को देखना।
- एसआरएफ़/वाईएसएस समाचार और आगामी कार्यक्रमों के बारे में सूचना।
- साप्ताहिक ऑनलाइन प्रेरणादायक सत्संग।

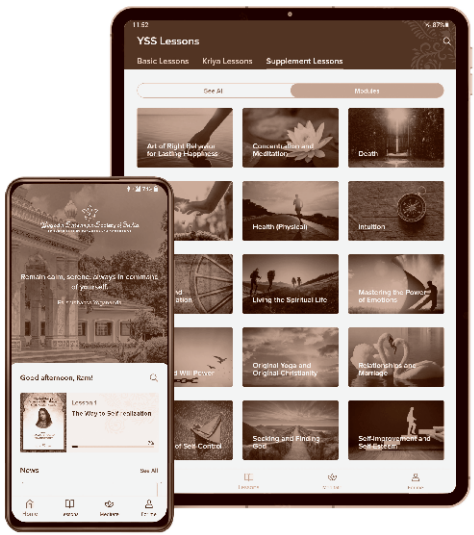

वाईएसएस पाठमाला के सदस्य अब अपने पाठों और सहायक सामग्री को अपने मोबाइल और कंप्यूटर पर पढ़ सकते हैं।

यदि आपने अभी तक ऐप के नए संस्करण को डाउनलोड अथवा अपडेट नहीं किया है, तो आप ऐप स्टोर से अथवा yssi.org/DigitalApp लिंक के माध्यम से ऐसा कर सकते हैं।

वाईएसएस वेबसाइट का विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवाद

गत वर्ष के दौरान, संन्यासियों के नेतृत्व में भक्तों के एक दल ने वाईएसएस वेबसाइट (yssofindia.org) का हिन्दी, तमिल, और तेलुगू भाषाओं में अनुवाद करने में सहायता की, जिसके कारण अनेक अन्य भक्त योगानन्दजी की शिक्षाओं और क्रियायोग मार्ग के विषय में जानकारी प्राप्त करने के लिए वेबसाइट को डिजिटल ढंग से एक्सेस कर सकेंगे। हमारी यह योजना है कि निकट भविष्य में इस वेबसाइट का अन्य कई भारतीय भाषाओं में अनुवाद किया जाएगा।

सामाजिक माध्यम (Social Media)

सितम्बर 2021 में, वाईएसएस ने फेसबुक, इंस्टाग्राम, और ट्विटर पर अपने सोशल मीडिया चैनल प्रारम्भ किये। ये प्लेटफार्म भक्तों, मित्रों, और सत्यान्वेषियों के लिए वाईएसएस शिक्षाओं, समाचार और कार्यक्रमों के साथ जुड़ने का एक सरल साधन हैं। यदि आप अभी तक इन चैनलों से नहीं जुड़ें हैं, तो हम आपको ऐसा करने के लिए आमंत्रित करते हैं (हमारा हैंडल है @yoganandayss)।

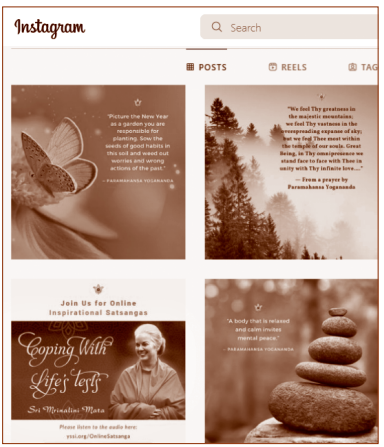

New Book Releases

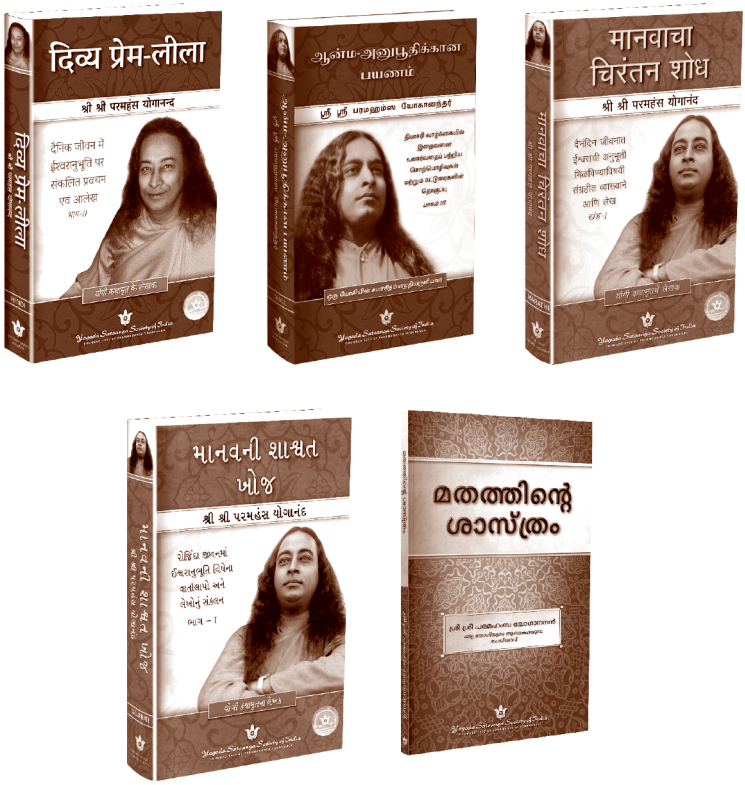

The Divine Romance—Hindi

Journey to Self-realization—Tamil

Man's Eternal Quest—Marathi

Man's Eternal Quest—Gujarati

The Science of Religion—Malayalam

New eBook Releases

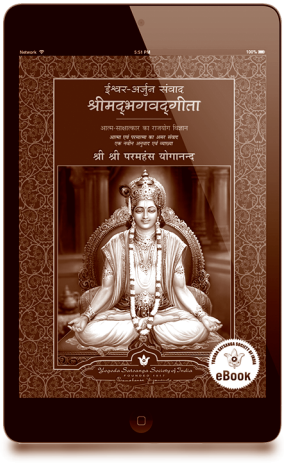

God Talks With Arjuna: The Bhagavad Gita — Hindi

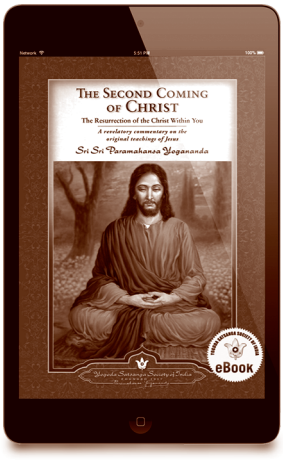

The Second Coming of Christ — English

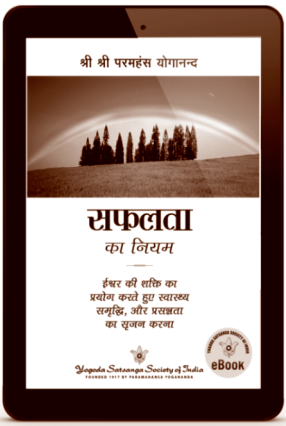

The Law of Success
Hindi and Telugu

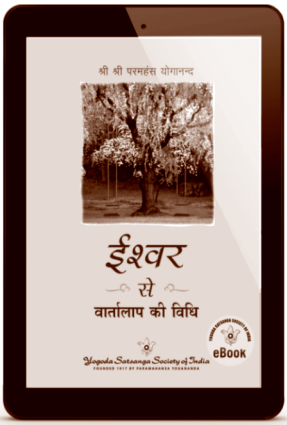

How You Can Talk With God
Hindi and Telugu

And various How-to-Live titles in Hindi: Answered Prayers • Focusing the Power of Attention for Success • How to Cultivate Divine Love • Healing by God's Unlimited Power • Harmonizing Physical, Mental, and Spiritual Methods of Healing • Remoulding Your Life • Where Are Our Departed Loved Ones?

आध्यात्मिक कार्यक्रम हजारों लोगों को आकर्षित कर रहे हैं

दो साल से अधिक समय के अन्तराल के पश्चात्, मार्च 2022 में, कोविड की दृष्टि से आवश्यक सावधानी बरतते हुए, वाईएसएस आश्रम और केन्द्र धीरे-धीरे पुनः खोल दिए गए, और वहाँ उत्तरोत्तर दैनिक और साप्ताहिक कार्यक्रम — ध्यान, लम्बा ध्यान, सत्संग और विशेष कार्यक्रम — प्रारम्भ कर दिए गए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के एक अंग के रूप में, बेलगावी, कर्नाटक में एक विद्यालय में एक योगदा भक्त निर्देशित ध्यान और आरोग्यकारी प्रार्थना सत्र का आयोजन करते हुए।

21 जून, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोहों के दौरान, वाईएसएस राँची और दक्षिणेश्वर आश्रमों ने आगन्तुकों का स्वागत किया और हिन्दी और अंग्रेज़ी में निर्देशित ध्यान सत्रों का आयोजन किया। इसके साथ-साथ ऑनलाइन दर्शकों के लिए इन सत्रों का सीधा प्रसारण भी किया गया।

वाईएसएस नोएडा आश्रम में लगभग 2,000 भक्तों और मित्रों ने गुरुपूर्णिमा समारोहों में भाग लिया।

महावतार बाबाजी के स्मृति दिवस के अवसर पर, वाईएसएस द्वाराहाट आश्रम ने बाबाजी की गुफा तक एक प्रभात फेरी का आयोजन किया, जिसमें वाईएसएस संन्यासियों के नेतृत्व में भक्तों और योगदा सत्संग बालकृष्णालय के छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

संन्यासियों के दौरों के कार्यक्रम पुनः प्रारम्भ हुए

जुलाई 2022 से वाईएसएस संन्यासियों ने सम्पूर्ण देश में विभिन्न नगरों के दौरे प्रारम्भ कर दिए। उन्होंने सप्ताहान्त रिट्रीटों, प्रेरणादायक कार्यक्रमों, और परमहंसजी की आदर्श-जीवन शिक्षाओं पर आधारित कक्षाओं, ध्यान और क्रियायोग दीक्षा का आयोजन करना प्रारम्भ कर दिया है।

अहमदाबाद

चण्डीगढ़

चेन्नई

चित्तूर

इंदौर

विशाखापटनम

ऑनलाइन कार्यक्रमों के माध्यम से दिव्य सत्संग जारी

आपकी उदारता के कारण, हम भारत और सम्पूर्ण विश्व के वाईएसएस/एसआरएफ़ भक्तों के आध्यात्मिक परिवार के लिए समूह ध्यान कार्यक्रमों, प्रेरणादायक सत्संगों, और श्रीमद्भगवद्गीता पर सत्संगों के ऑनलाइन कार्यक्रम जारी रख रहे हैं। सैकड़ों स्वयंसेवकों के अथक प्रयासों के कारण, हमारे ऑनलाइन कार्यक्रम अनेक भक्तों के उत्थान, और उन्हें सांत्वना एवं प्रोत्साहन प्रदान करने में सहायता प्रदान करते हैं — विशेष रूप से उन लोगों को जो वाईएसएस आश्रमों अथवा केन्द्रों से अत्यधिक दूरी पर रहते हैं। *योगी कथामृत* की 75वीं जयन्ती समारोह के एक अंग के रूप में, वाईएसएस संन्यासियों ने इस आध्यात्मिक उत्कृष्ट पुस्तक के सामूहिक अध्ययन और चिन्तन के सत्रों का नेतृत्व किया।

श्रीमद्भगवद्गीता पर सत्संग

वरिष्ठ वाईएसएस संन्यासी स्वामी स्मरणानन्द गिरि ने ईश्वर-अर्जुन संवाद पुस्तक में गुरुदेव श्री श्री परमहंस योगानन्द द्वारा की गयी श्रीमद्भगवद्गीता की व्याख्या के ज्ञान पर आधारित प्रेरणादायक व्याख्यानों की एक श्रृंखला अंग्रेज़ी भाषा में प्रस्तुत की। ये गीता प्रवचन अब वाईएसएस यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध हैं। प्रत्येक व्यक्ति ने इन प्रवचनों की अत्यन्त सराहना की है। हिन्दी भाषी भक्तों के हितों को ध्यान में रखते हुए स्वामी ईश्वरानन्द ने हिन्दी में ऑनलाइन गीता प्रवचनों की एक श्रृंखला प्रारम्भ की है, तथा आने वाले महीनों में वे इन प्रेरणादायक प्रवचनों को जारी रखेंगे।

आपके सहयोग से, हमारे आश्रमों के सभी आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड किये गए हैं ताकि ऑनलाइन गतिविधियों को सुचारु रूप से जारी रखा जा सके। इनमें स्टूडियो सुविधाओं का निर्माण तथा विडियो प्रोडक्शन और आर्काइवल सॉफ्टवेयर प्राप्त करना और उत्तम क्वालिटी के ऑडियो-विज़ुअल कॉन्टेंट के प्रसारण हेतु संसाधन जुटाना सम्मिलित हैं।

सेवा की भावना

"न केवल आध्यात्मिक पोषण के द्वारा और न केवल भौतिक समृद्धि के द्वारा ही हम सुखी जीवन व्यतीत कर सकते हैं। महत्वाकांक्षा रखने से और उस महत्वाकांक्षा के शिखर पर दूसरों की सेवा के विचार को स्थापित करने से, उनकी व्यक्तिगत रूप से सहायता करने से अथवा किसी महान् आदर्श के लिये कार्य करने से ही आप स्वयं अपने लिए अथवा दूसरों के लिए धन अर्जित करने का आध्यात्मिक कारण खोज पाएँगे। दूसरों की इस प्रकार सहायता करने से, कि वे स्वयं अपनी सहायता कर सकें, भी महत्वाकांक्षा का आध्यात्मीकरण होता है। एक सर्वशक्तिमान सत्ता ने हम सबको एकसाथ जोड़ कर रखा है। जब भी आप दूसरों की सहायता करते हैं तो आप स्वयं अपनी सहायता करते हैं।"

— श्री श्री परमहंस योगानन्द

जिला अस्पताल, अल्मोड़ा को एम्बुलेंस का अनुदान

हमारे द्वाराहाट आश्रम के आस-पास के गांवों के स्थानीय लोगों को वाईएसएस सक्रिय रूप से राहत प्रदान करने का कार्य कर रहा है, विशेष रूप से हाल के कोविड-19 महामारी के चुनौतीपूर्ण समय में।

हमारी धर्मार्थ गतिविधियों के एक अंग के रूप में, वाईएसएस ने उत्तराखण्ड में अल्मोड़ा जिला अस्पताल को एक एम्बुलेंस का अनुदान किया। ₹16.50 लाख की लागत की यह बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस मरीजों को अस्पताल ले जाने के दौरान उनकी सहायता करने के लिए सभी आधुनिक मेडिकल उपकरणों से लैस है। वाईएसएस द्वारा दी गयी इस एम्बुलेंस को प्राप्त करने के पश्चात् अब जिला अस्पताल स्थानीय मरीजों को चिकित्सा की दृष्टि से आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित ढंग से उच्चतर चिकित्सा केन्द्रों में ले जा सकता है।

राँची में धर्मार्थ चिकित्सालय — सेवाश्रम — की सुविधाओं में वृद्धि

सन् 1958 से, वाईएसएस राँची आश्रम का धर्मार्थ चिकित्सालय, सेवाश्रम, निर्धन और जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क चिकित्सा सहायता प्रदान करता आ रहा है। इसमें एक आँख का अस्पताल सम्मिलित है जो निःशुल्क आँख के ऑपरेशन करता है; और एक जनरल ओपीडी है जहाँ विशेषज्ञ चिकित्सक निःशुल्क परामर्श देते हैं। रोगियों को सभी दवाइयाँ निःशुल्क दी जाती हैं।

चूँकि उच्च गुणवत्ता की सेवाएँ निःशुल्क दी जाती हैं, आँख का अस्पताल राँची और आस-पास के क्षेत्रों में अत्यंत लोकप्रिय हो गया है। इसके परिणामस्वरूप, प्रतिदिन आने वाले मरीजों और साप्ताहिक ऑपरेशनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, और वर्तमान इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं के साथ इस कार्य को करना कठिन होता जा रहा है। बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, वाईएसएस ने आपके उदार अनुदाओं से पुराने अस्पताल का पूर्ण नवीकरण कर दिया है। इसके अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य किये गए हैं : ऑपरेशन थिएटर का पूर्ण नवीकरण; कैटरेक्ट ऑपरेशन के लिए नया उपकरण; भवन की छत का नवीकरण; पूरे भवन की नयी इलेक्ट्रिकल वायरिंग; शारीरिक रूप से अक्षम रोगियों के लिए रैम्प का निर्माण; और रोगियों को अधिक सुविधा प्रदान करने के लिए एक बड़ा स्वागत कक्ष। यह पूरा नवीकरण कार्य रु.50 लाख की लागत से पूरा हुआ है।

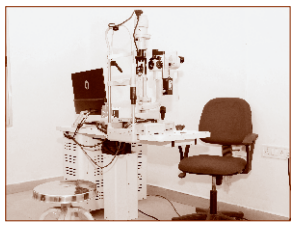

असम में बाढ़ राहत कार्य

भारी पूर्वमानसून वर्षा से असम के गांवों में बहुत तबाही हुई, जिसके कारण फसलों को हानि पहुँची, लोग बीमार पड़ गए, और घरों को क्षति पहुँची। अधिकतर परिवारों को अपने घरों को छोड़कर अस्थायी कैम्पों में या सडकों के किनारे शरण लेनी पड़ी। गुवाहाटी में वाईएसएस भक्तों ने प्रभावित परिवारों को राशन और आवश्यक सामान पहुँचाने के हमारे बाढ़-राहत कार्यों का नेतृत्व किया। गुवाहाटी के एक वाईएसएस स्वयंसेवक ने लिखा, "प्रारम्भ में जब हमने बाढ़-प्रभावित क्षेत्र का सर्वेक्षण किया, तो हमारा अनुमान था कि लगभग 2,000 परिवारों को सहायता की आवश्यकता होगी। परन्तु जब हम उस क्षेत्र में राशन की पहली खेप लेकर गए तो हमें इन गावों में अपने अनुमान से बहुत बड़ी संख्या में लोगों की बुरी हालत का सामना करते देखा । हमने राँची आश्रम को इसके

बारे में सूचित किया, और हमें तुरन्त ही 1,200 अतिरिक्त परिवारों को राहत पहुँचाने के लिए सहायता प्रदान की गयी। दुर्भाग्यपूर्ण लोगों की सहायता करने में अपना कर्त्तव्य निभाने से गुरुजी का प्रेम और दया न केवल उनके जीवन में अपितु हमारे जीवन में भी अनुभव होते हैं; और यह आत्मा को अत्यधिक संतोष प्रदान करता है!"

ओड़िशा में बाढ़ राहत कार्य

हाल में अगस्त माह में ओड़िशा में आई बाढ़ से पुरी जिले में 55 ग्राम पंचायतों के अन्तर्गत 201 गांवों के लगभग 1.5 लाख लोग प्रभावित हुए। अनेक क्षेत्रों में एक सप्ताह से भी अधिक समय तक बाढ़ का पानी भरा रहा, और वहाँ के निवासियों ने सडकों या नदी के तटबंधों पर शरण ली हुई थी, जहाँ कोई विद्युत् आपूर्ति नहीं थी। भुवनेश्वर और पुरी के ध्यान केन्द्रों के वाईएसएस भक्तों ने, स्थानीय विद्यालयों के अध्यापकों और प्रशासन की सहायता से, पुरी जिले के गोपा और नीमपाड़ा ब्लॉकों के बाढ़-प्रभावित निवासियों को 716 सौर लैम्प वितरित किये।

वाईएसएस धर्मार्थ कोचिंग सेंटर के छात्रों का आईआईटी में चयन

वाईएसएस नोएडा आश्रम के हमारे धर्मार्थ कोचिंग सेंटर के तीन भूतपूर्व छात्रों का अत्यन्त प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों अथवा आईआईटी में चयन हुआ है। रोहिणी मिश्रा ने आईआईटी खड़गपुर में और योगेश लोधी में आईआईटी पटना में प्रवेश प्राप्त किया है। अंशू पाल ने दिल्ली अभियांत्रिकी महाविद्यालय में प्रवेश को वरीयता दी है।

यह कोचिंग सेन्टर एक दशक से पूर्व प्रारम्भ हुआ था और वाईएसएस नोएडा आश्रम के निकटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले समाज के आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के छात्रों को निःशुल्क कोचिंग देता है। नौवीं से बारहवीं कक्षा के छात्रों को उनके विद्यालय के समय के पश्चात् आश्रम परिसर में ही पढ़ाया जाता है।

नए ध्यान मन्दिर का उद्घाटन

स्वामी ईश्वरानन्द ने जयपुर, राजस्थान में एक तीन-दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, 30 सितम्बर, 2022 को — श्री श्री लाहिड़ी महाशय के आविर्भाव दिवस के अवसर पर — एक सुन्दर ध्यान मन्दिर का उद्घाटन किया। नए ध्यान मन्दिर में एक पवित्र क्रियायोग दीक्षा का भी आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में 390 भक्तों ने भाग लिया। इस बहुमंजिले भवन में लगभग 350 भक्तों के बैठने की व्यवस्था है तथा इसमें दो ध्यान कक्ष, पुस्तक कक्ष, बाल-सत्संग कक्ष, सभा कक्ष, और आने वाले संन्यासियों के लिए कमरे भी सम्मिलित हैं।

आपका सहयोग अत्यंत सराहनीय है

गुरुजी के कार्य का निरन्तर विकास हो रहा है, तथा उसके साथ ही अनेक आनन्दपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और सेवा के अनेक अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं। आपके निरन्तर उदार सहयोग के बिना, हम वह सब करने में सफल नहीं हो पाते जो हमने अब तक किया है। आपके विविध योगदान यथार्थ में संसार को प्रभावित करते हैं। जो लोग बेसब्री से सत्य के ऐसे मार्ग — जो उन्हें निराशा से आशा की ओर, अशान्ति से शान्ति की ओर, और दुःख से दिव्य आनन्द की ओर ले जा सकता — की खोज कर रहे हैं, उन सब के मध्य परमहंसजी के क्रियायोग सन्देश का प्रसार करने से, हम एक साथ मिलकर यह सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य जारी रख सकते हैं।

आप हमारी वेबसाइट के माध्यम से अथवा अपने स्थानीय वाईएसएस आश्रम, केन्द्र, या मण्डली में अपना अनुदान दे सकते हैं। यदि आप अभी अपना अनुदान देने में असमर्थ हैं, तो कृपया यह ध्यान रखें कि हम किसी भी रूप में आपके निरन्तर सहयोग का कृतज्ञतापूर्वक स्वागत करते हैं। परमहंसजी के कार्य और विश्व के लिए आपकी प्रार्थनाएँ, वाईएसएस कार्यक्रमों और ध्यान में आपकी प्रतिभागिता और स्वैच्छिक सेवा, अथवा अपने मार्ग में आने वाले सभी लोगों के लिए गुरुदेव की शिक्षाओं का जीवन्त उदाहरण बनना — ये सब हमारे और ईश्वर एवं गुरुओं की दृष्टि में अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं।

Yogoda Satsanga Society of India is recognized as a charitable society (PAN: AAATY0283H) under the provisions of the Income Tax Act, 1961. Contributions made to this Society are Income Tax deductible under Section 80-G of the said Act. Donations may be made payable to Yogoda Satsanga Society of India by crossed Demand Draft drawn on a Ranchi Bank or an A/c Payee Cheque; and sent to Yogoda Satsanga Society of India, Paramahansa Yogananda Path, Ranchi 834 001, Jharkhand.

You may also donate online at donateyss.org

DONATION ADVICE

Yogoda Satsanga Society of India
Paramahansa Yogananda Path
Ranchi – 834 001
Jharkhand

Dear Friends,

Please accept my/our donation of ₹ _____ (Rupees _____ _____ only) which is offered voluntarily for use by Yogoda Satsanga Society of India to form part of its corpus and/or for the purpose(s) indicated below.

Name _____
in BLOCK LETTERS

Address _____

_____

_____

Mobile No. _____
Mandatory

PAN/Aadhaar _____
Mandatory

Email _____

Lesson Reg. No. L – _____
(if available)

Paid by : ❑ UPI ❑ Card ❑ Cheque/DD ❑ Cash ❑ Others

Payment details : _____
UPI ID / Cheque No., Bank Name, etc.

_____

Signature _____

Date _____ Place _____

see overleaf

DONATION TOWARDS **Amount in ₹**

Please tick (✓) the relevant box(es)

A. CORPUS DONATION

- ❑ **YSS of India Fund** ..... _____
  To form part of the corpus of the Society which will be used to fulfil the objects of the Society
- ❑ **Kendra Fund** .....
  Any projects or activities at Ashrams/Kendras/Mandalis/Retreats:

  _____ _____
  (Please specify the name of the place or project)

B. CONTRIBUTION *(for the following specific purposes)*

- ❑ **YSS Publications** ..... _____
- ❑ **How-to-Live Yoga Training** ..... _____
- ❑ **Educational Seva** ..... _____
- ❑ **Upgradation of YSS School and College at Ranchi** ..... _____
- ❑ **Medical Seva** ..... _____
- ❑ **Natural Calamities Relief** ..... _____
- ❑ **Welfare of Poor**..... _____

C. GENERAL DONATION ..... _____

Total _____

New Release

योगी कथामृत

(हार्डकवर)

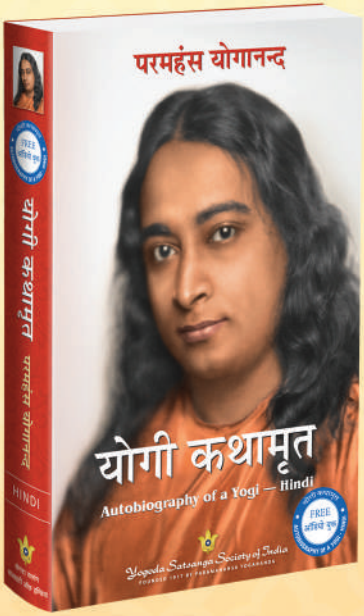

"यह पुस्तक लाखों लोगों का जीवन बदल देगी। जब मैं चला जाऊँगा, यह मेरी सन्देशवाहक होगी।"

— श्री श्री परमहंस योगानन्द

हमें यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि *"Autobiography of a Yogi"* के हिन्दी संस्करण *"योगी कथामृत"* की हार्डकवर प्रति (Hardcover) का विमोचन वाईएसएस के नोएडा आश्रम में आयोजित एक विशेष समारोह में वाईएसएस/एसआरएफ़ के अध्यक्ष एवं आध्यात्मिक प्रमुख श्री श्री स्वामी चिदानन्द गिरि द्वारा 26 फरवरी को किया गया।

यह पुस्तक साधक को आंतरिक जीवन के रूपांतरण की यात्रा, आध्यात्मिक खोज और रोमांच की दुनिया में ले जाती है। यह असाधारण जीवन के ज्वलंत लेखन और प्राचीन योग विज्ञान एवं इसके ध्यान की परंपरा का गहन परिचय दोनों है।

"योगी कथामृत" के इस संस्करण को खरीदने के लिये, कृपया इस लिंक पर जाएँ: yssi.org/AY-Hin

योगदा सत्संग पाठमाला के नए संस्करण का भारतीय भाषाओं में प्रकाशन।

योगदा संन्यासी *सत्संग योगदा पाठमाला* के तेलुगू संस्करण का विमोचन करते हुए, राजमुंदरी, 3 दिसम्बर, 2022

योगदा संन्यासी *सत्संग योगदा पाठमाला* के तमिल संस्करण का विमोचन करते हुए, चेन्नई, 22 जुलाई, 2022